आरती श्री साई बाबा जी की

आरती श्रीसाई गुरुवर की,
परमानन्द सदा सुरवर की ।।
जाकी कृपा विपुल सुखकारी ।
दुःख-शोक, संकट, भयहारी ।।
शिरडी में अवतार रचाया ।
चमत्कार से जग हर्षाया ।।
कितने भक्त शरण में आये ।
सब सुख-शांति चिरंतन पाये ।।
भाव धरे जो मन में जैसा ।
पावत अनुभव वो ही वैसा ।।
गुरु की उदी लगावे तन को ।
समाधान लाभत उस मन को ।।
साई नाम सदा जो गावे ।
सो फल जग में शाश्वत पावे ।।
गुरुवासर करि पूजा सेवा ।
उस पर कृपा करत गुरुदेवा ।।
राम, कृष्ण, हनुमान, रूप में ।
जानत जो श्रद्धा धर मन में ।।
विविध धर्म के सेवक आते ।
दर्शन कर इच्छित फल पाते ।।
साई बाबा की जय बोलो ।
अन्तर मन में आनन्द घोलो ।।
साई दास आरती गावे ।
बसि घर में सुख मंगल पावे ।।

विवरण

परम आनन्द को देने वाले श्री सांई बाबा की हम आरती करते हैं ।

जिनकी कृपा से हमें वृहद् सुख की अनुभूति होती है तथा हमारे शोक, दु:ख एवं विपत्ति सभी का अन्त हो जाता है, ऐसे श्री साईं बाबा का जन्म शिरडी में हुआ तथा ये अपने अनेक चमत्कारों से सम्पूर्ण जग को आनन्द पहुँचाये ।

पुरातन काल से भक्त इनकी शरण में आते रहते हैं तथा सुख शांति का वरदान लेकर वापस जाते हैं । इनके प्रति जिसके मन में जैसी भावना रहती है, वह उनके उसी अनुभव को प्राप्त कर पाता है । जो इनकी उदी को अपने तन में लगाता है, उसके सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है । जो इनके साईं नाम को सदा जपता है एवं ध्यान करता है, वह इस संसार के सच्चे सुख को प्राप्त करता है ।

जो बृहस्पति वार के दिन इनकी पूजा या भजन करता है, उस पर इनकी हमेशा दया दृष्टि बनी रहती है । राम कृष्ण एवं हनुमान की तरह मन में श्रद्धा का भाव लिये, विविध धर्म जाति के लोग इनके दरबार में आते हैं तथा इनका दर्शन करके अपनी इच्छा के अनुसार फल को प्राप्त करते हैं । अपने हृदय में आनंद की अनुभूति लेकर हम भक्त गण साईं बाबा की जय जयकार मनाते हैं । इन साईं बाबा की आरती गाकर हम अपने घर में सुख एवं सम्पति/समृद्धि को प्राप्त करते हैं ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.